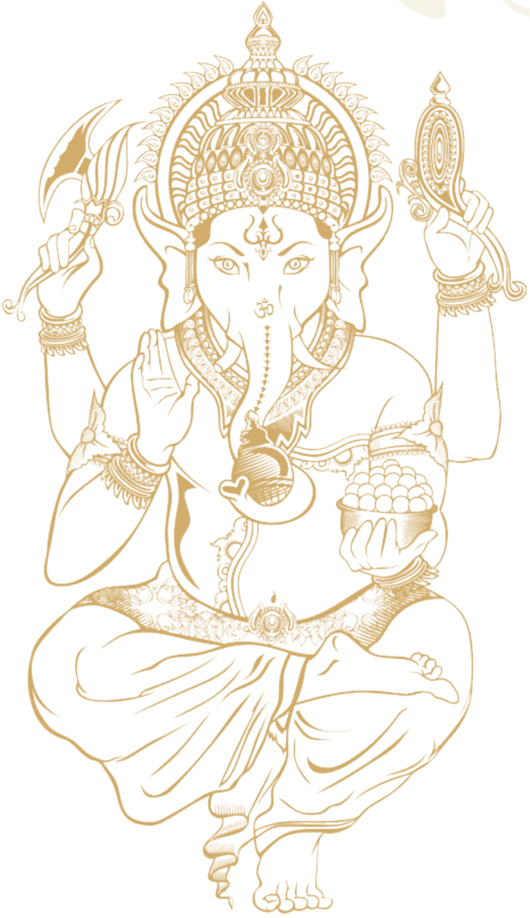

Mr.m kapoor

02 Sep 1997

01:31 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120089308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/09/1997**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:31:00 घंटे**
इष्ट	48:49:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:09:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:03 घंटे
साम्पातिक काल	23:53:56 घंटे
सूर्योदय	05:59:06 घंटे
सूर्यास्त	18:42:40 घंटे
दिनमान	12:43:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:34:56 सिंह
लग्न के अंश	17:06:21 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:06:21	317:21:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	15:34:56	00:58:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	13:50:50	11:48:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	17:52:15	00:39:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	13:12:03	00:53:49	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	20:20:02	00:06:21	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	24:10:36	01:10:30	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि	व		मीन	25:43:46	00:03:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:52:38	00:00:40	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:52:38	00:00:40	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:37:05	00:01:51	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:43:05	00:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:06:33	00:00:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:31:16	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:26

लग्न-चलित

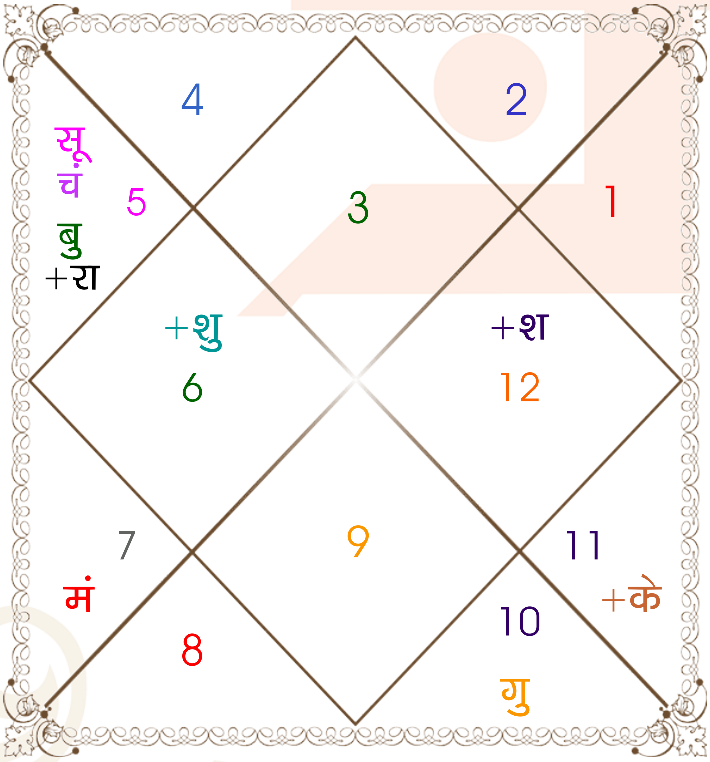

चन्द्र कुंडली

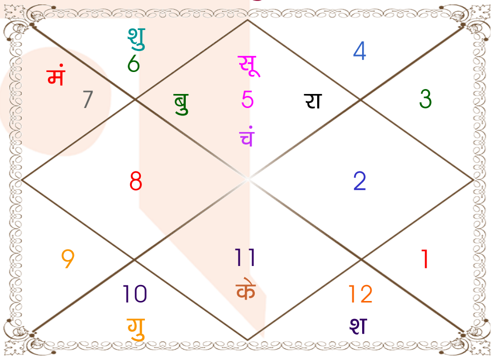

नवमांश कुंडली

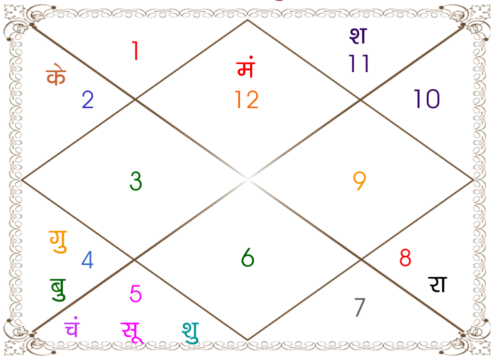

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 2 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
02/09/1997	**24/11/2016**	**25/11/2022**	**24/11/2032**	**25/11/2039**
24/11/2016	**25/11/2022**	**24/11/2032**	**25/11/2039**	**24/11/2057**
शुक्र 26/03/2000	सूर्य 14/03/2017	चंद्र 25/09/2023	मंगल22/04/2033	राहु 07/08/2042
सूर्य 26/03/2001	चंद्र 12/09/2017	मंगल25/04/2024	राहु 11/05/2034	गुरु 31/12/2044
चंद्र 25/11/2002	मंगल18/01/2018	राहु 25/10/2025	गुरु 17/04/2035	शनि 07/11/2047
मंगल25/01/2004	राहु 13/12/2018	गुरु 24/02/2027	शनि 25/05/2036	बुध 26/05/2050
राहु 24/01/2007	गुरु 01/10/2019	शनि 24/09/2028	बुध 23/05/2037	केतु 13/06/2051
गुरु 24/09/2009	शनि 12/09/2020	बुध 24/02/2030	केतु 19/10/2037	शुक्र 13/06/2054
शनि 24/11/2012	बुध 19/07/2021	केतु 25/09/2030	शुक्र 19/12/2038	सूर्य 08/05/2055
बुध 25/09/2015	केतु 24/11/2021	शुक्र 25/05/2032	सूर्य 26/04/2039	चंद्र 06/11/2056
केतु 24/11/2016	शुक्र 25/11/2022	सूर्य 24/11/2032	चंद्र 25/11/2039	मंगल24/11/2057

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
24/11/2057	**24/11/2073**	**24/11/2092**	**25/11/2109**	**25/11/2116**
24/11/2073	**24/11/2092**	**25/11/2109**	**25/11/2116**	**00/00/0000**
गुरु 12/01/2060	शनि 27/11/2076	बुध 23/04/2095	केतु 23/04/2110	शुक्र 03/09/2117
शनि 26/07/2062	बुध 07/08/2079	केतु 19/04/2096	शुक्र 24/06/2111	00/00/0000
बुध 31/10/2064	केतु 15/09/2080	शुक्र 18/02/2099	सूर्य 29/10/2111	00/00/0000
केतु 07/10/2065	शुक्र 16/11/2083	सूर्य 25/12/2099	चंद्र 29/05/2112	00/00/0000
शुक्र 07/06/2068	सूर्य 28/10/2084	चंद्र 27/05/2101	मंगल26/10/2112	00/00/0000
सूर्य 26/03/2069	चंद्र 29/05/2086	मंगल24/05/2102	राहु 13/11/2113	00/00/0000
चंद्र 26/07/2070	मंगल08/07/2087	राहु 10/12/2104	गुरु 20/10/2114	00/00/0000
मंगल02/07/2071	राहु 14/05/2090	गुरु 18/03/2107	शनि 29/11/2115	00/00/0000
राहु 24/11/2073	गुरु 24/11/2092	शनि 25/11/2109	बुध 25/11/2116	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।